रोहतक। एफडीसी कांफ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा को स्मृति चिंह देते हुए डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. अरुण नंदा , प्रो. हरीश दूरेजा व अन्य प्रोफेसर।

नवाचार बढ़ाने बौद्धिक संपदा अधिकारों की भूमिका महत्वपूर्ण: वीसी प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एफडीसी कांफ्रेंस हॉल में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई टैग, पेटेंट के बारे में जानकारी दी।

हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार का शुभारंभ भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने बतौर मुख्यातिथि किया। कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने कहा कि नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर)की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार से लीगल ही नहीं, वरन सोशल और कमर्शियल मुद्दे भी जुड़े हैं। मुख्यातिथि प्रो. सुदेश छिक्कारा ने कहा कि इस डिजिटल युग में हम सभी को आईपीआर बारे जानकारी होनी चाहिए और समाज को भी इस बारे जागरूक करने की जरूरत है। कॅरियर के दृष्टिकोण से भी उन्होंने इस क्षेत्र को अपार संभावनाएं से भरा बताया। उन्होंने इस राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आईपीआर जागरूकता बढ़ाना मुख्य उद्देश्य

सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज के निदेशक एवं इस राष्ट्रीय सेमिनार के कंवीनर प्रो. हरीश दूरेजा ने सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। प्रो. हरीश दूरेजा ने कहा कि इस राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य आईपीआर जागरूकता बढ़ाना है। डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. अरुण नंदा ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि बौद्धिक संपदा मानव मस्तिष्क के आविष्कार और कलात्मक कार्य से जुड़ी है। प्रो. नंदा ने वर्तमान दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार की महत्ता से अवगत करवाया। आयोजन सचिव डॉ. राकेश कुमार मारवाह ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया। उन्होंने इस वर्ष विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के थीम आईपी एंड एसडीजीः बिल्डिंग ऑवर कॉमन फ्यूचर विद इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय सेमिनार में तीन तकनीकी सत्र व पोस्टर प्रेजेंटेशन

इस राष्ट्रीय सेमिनार में तीन तकनीकी सत्र तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। तकनीकी सत्रों में पेटेंट इनफार्मेशन सेंटर, एचएसीएसआईटी, डीएसटी, हरियाणा के वैज्ञानिक डा. राहुल तनेजा, दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. अश्विनी सिवाल तथा मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पेटेंट कार्यालय, दिल्ली के एग्जामिनर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइंस डॉ. संदीप यादव ने बतौर वक्ता शिरकत की और विशेष व्याख्यान देते हुए बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। फार्मेसी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सलोनी कक्कड़ ने मंच संचालन किया। सेमिनार के को-कंवीनर डॉ. राजीव कुमार कपूर ने आभार प्रदर्शन किया। डॉ. कपूर ने आईपीआर सेल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। सह आयोजन सचिव डॉ. कपिल मल्होत्रा ने समन्वयन सहयोग दिया। इस अवसर फार्मेसी विभाग के प्राध्यापक, एमडीयू के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष एवं प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सैमीनार में वक्ताओं ने की बौद्धिक संपदा पर चर्चा

रोहतक, 26 अप्रैल (संजीव) : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एफ.डी.सी. कांफ्रैंस हॉल में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय सैमीनार में वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जी.आई. टैग, पेटेंट के बारे में जानकारी दी।

हरियाणा स्टेट काऊंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंडटैक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सैमीनार का शुभारंभ भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने बतौर मुख्यातिथि किया।

कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने कहा कि नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार से लीगल ही नहीं, वरन सोशल और कमर्शियल मुद्दे भी जुड़े हैं।

मुख्यातिथि प्रो. सुदेश छिक्कारा ने कहा कि इस डिजिटल युग में हम सभी को आईपीआर बारे जानकारी होनी चाहिए और समाज को भी इस बारे जागरूकक करने की जरूरत है। कॅरियर के दृष्टिकोण से भी उन्होंने इस क्षेत्र को अपार संभावनाएं से भरा बताया।

उन्होंने इस राष्ट्रीय सैमीनार के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सैंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज के निदेशक एवं इस राष्ट्रीय सैमीनार के कंवीनर प्रो. हरीश दूरेजा ने सैंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों बारे जानकारी दी। प्रो. हरीश दूरेजा ने कहा कि इस राष्ट्रीय सैमीनार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य आईपीआर जागरूकता बढ़ाना है।

फार्मेसी विभाग की प्राध्यापिका डा. सलोनी कक्कड़ ने मंच संचालन किया। सैमीनार के को-कंवीनर डा. राजीव कुमार कपूर ने आभार प्रदर्शन किया। डा. कपूर ने आई.पी.आर. सेल की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

सह आयोजन सचिव डा. कपिल मल्होत्रा ने समन्वयन सहयोग दिया। इस अवसर फार्मेसी विभाग के प्राध्यापक, एम.डी.यू. के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष एवं प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सैमीनार में अपने विचार रखती मुख्य वक्ता व सैमीनार में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में आइपीआर की महत्वपूर्ण भूमिका : सुदेश

एमडीयू में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्यातिथि प्रो. सुदेश छिक्कारा को सम्मानित करते प्रो. हरीश दुरेजा।

एमडीयू के एफडीआइमें आयोजित सेमिनार में मौजूद शिक्षक और विद्यार्थी।

जागरण संवाददाता ● रोहतक : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने कहा कि नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आइपीआर) की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार से लीगल ही नहीं, वरन सोशल और कमर्शियल मुद्दे भी जुड़े हैं।

प्रो. छिक्कारा शुक्रवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेंटर फार आइपीआर स्टडीज द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एफडीसी कांफ्रेंस हाल में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में संबोधित कर रही थी। हरियाणा स्टेट काउंसिल फार साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने बतौर मुख्यातिथि किया। सेमिनार में वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को कापीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई टैग, पेटेंट के बारे में जानकारी दी। प्रो. सुदेश छिक्कारा ने कहा कि इस डिजिटल युग में हम सभी को आइपीआर बारे जानकारी होनी चाहिए और समाज को भी इस बारे जागरूक करने की जरूरत है। करियर के दृष्टिकोण से भी उन्होंने इस क्षेत्र को अपार संभावनाएं से भरा बताया। उन्होंने इस राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कंवीनर प्रो. हरीश दुरेजा ने सेंटर फार आइपीआर स्टडीज की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों बारे जानकारी दी। डीन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. अरुण नंदा ने कहा कि बौद्धिक संपदा मानव मस्तिष्क के आविष्कार और कलात्मक कार्य से जुड़ी है। प्रो. नंदा ने वर्तमान दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार की महत्ता से अवगत करवाया। आयोजन सचिव डा. राकेश कुमार मारवाह ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया। उन्होंने इस वर्ष विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के थीम- आईपी एंड एसडीजीः बिल्डिंग आवर कामन फ्यूचर विद इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी पर प्रकाश डाला।

इस राष्ट्रीय सेमिनार में तीन तकनीकी सत्र तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। तकनीकी सत्रों में पेटेंट इनफार्मेशन सेंटर, एचएससीएसआइटी, डीएसटी, हरियाणा के वैज्ञानिक डा. राहुल तनेजा, दिल्ली विश्वविद्यालय से डा. अश्विनी सिवाल तथा मिनिस्ट्री आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पेटेंट कार्यालय, दिल्ली के एग्जामिनर आफ पेटेंट्स एंड डिजाइंस डा. संदीप यादव ने बतौर वक्ता शिरकत की और विशेष व्याख्यान देते हुए बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न पहलुओं बारे विस्तार से जानकारी दी। फार्मेसी विभाग की प्राध्यापिका डा. सलोनी कक्कड़ ने मंच संचालन किया। सेमिनार के को-कंवीनर डा. राजीव कुमार कपूर ने आभार प्रदर्शन किया। डा. कपूर ने आइपीआर सेल की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। सह आयोजन सचिव डा. कपिल मल्होत्रा ने समन्वयन सहयोग दिया। इस अवसर फार्मेसी विभाग के प्राध्यापक, एमडीयू के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष एवं प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ड्यूटी में तैनात अधिकारियों व से बताया गया है।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एमडीयू में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

वर्तमान डिजिटल युग में समाज में आईपीआर बारे जागरूकता लानी आवश्यक है: कुलपति प्रो. सुदेश

रोहतक, चेतना संवाददाता। नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) की अहम भूमिका है। बौद्धिक संपदा अधिकार से कानूनी ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं व्यावसायिक मुद्दे भी जुड़े हैं। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने शुक्रवार को बतौर मुख्य अतिथि, विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एमडीयू में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए।

अपने प्रभावशाली संबोधन में कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस डिजिटल युग में हम सभी को आईपीआर बारे जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने समाज को भी इस बारे जागरूक करने की जरूरत पर बल दिया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि कैरियर के दृष्टिकोण से इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। उन्होंने इस राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन एमडीयू के सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से किया गया। एफडीसी कांफ्रेंस हॉल में आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार में वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई टैग,

पेटेंट के बारे में जानकारी दी।

सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज के निदेशक एवं इस राष्ट्रीय सेमिनार के कंवीनर प्रो. हरीश दूरेजा ने सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों बारे जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य आईपीआर जागरूकता बढ़ाना है। डीन, आर एंड डी प्रो. अरुण नंदा ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि बौद्धिक संपदा मानव मस्तिष्क के आविष्कार और कलात्मक कार्य से जुड़ी है। उन्होंने वर्तमान दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार की महत्ता से अवगत करवाया। आयोजन सचिव डा. राकेश कुमार मारवाह ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया। उन्होंने इस वर्ष के थीम- आईपी एंड एसडीजी- बिल्डिंग ऑवर कॉमन फ्यूचर विद इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी पर प्रकाश डाला।

इस राष्ट्रीय सेमिनार में तीन तकनीकी सत्र तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। तकनीकी सत्रों में पेटेंट इनफार्मेशन सेंटर, एचएससी एसआईटी, डीएसटी, हरियाणा के वैज्ञानिक डा. राहुल तनेजा, दिल्ली विश्वविद्यालय से डा. अश्विनी सिवाल तथा मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पेटेंट कार्यालय, दिल्ली के एग्जामिनर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइंस डा. संदीप यादव ने बतौर वक्ता विशेष व्याख्यान देते हुए बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न पहलुओं बारे विस्तार से जानकारी दी।

डिजिटल युग में सभी को आईपीआर बारे होनी चाहिए जानकारी : प्रो. सुदेश

सवेरा न्यूज/नवीन मलिक

रोहतक, 26 अप्रैल : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एफडीसी कांफ्रैंस हॉल में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने बतौर मुख्यातिथि शिरक्त की। उन्होंने द्वीप प्रजवलित कर सेमिनार का शुभारम्भ करते हुए कहा कि नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर)की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार से लीगल ही नहीं, वरन सोशल और कमर्शियल मुद्दे भी जुड़े हैं। साथ ही इस डिजिटल युग में हम सभी को आईपीआर बारे जानकारी होनी चाहिए और समाज को भी इस बारे जागरूक करने की जरूरत है। कॅरियर के दृष्टिकोण से भी उन्होंने इस क्षेत्र को अपार संभावनाएं से भरा बताया। इस राष्ट्रीय सेमिनार में तीन तकनीकी सत्र तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। तकनीकी सत्रों में पेटेंट इनफार्मेशन सेंटर, एचएससीएसआईटी, डीएसटी, हरियाणा के वैज्ञानिक डा. राहुल तनेजा, दिल्ली विश्वविद्यालय से डा. अश्विनी सिवाल तथा मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पेटेंट कार्यालय, दिल्ली के एग्जामिनर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइंस डा. संदीप यादव ने बतौर वक्ता शिरकत की और बौद्धिक संपदा पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई टैग, पेटेंट के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. हरीश दूरेजा, प्रो. नंदा, डा. राकेश, डा. सलोनी, डा. राजीव, डा. कपिल प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एमडीयू में आयोजित सेमिनार में मुख्यातिथि को सम्मानित करते।

नवाचार और रचनात्मकता में आईपीआर की अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। सेमीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रो. सुदेश।

नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) की अहम भूमिका है। बौद्धिक संपदा अधिकार से कानूनी ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं व्यावसायिक मुद्दे भी जुड़े हैं। यह उद्गार बीपीएस महिला विश्वविद्यालय की वीसी प्रो. सुदेश ने शुक्रवार बतौर मुख्य अतिथि, विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एमडीयू में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। वीसी प्रो. सुदेश ने कहा कि इस डिजिटल युग में हम सभी को आईपीआर बारे जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कैरियर के दृष्टिकोण से इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन एमडीयू के सेंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से किया गया। सेमिनार में कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई टैग, पेटेंट के बारे में जानकारी दी गई। सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दुरेजा ने सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों बारे जानकारी दी। डीन प्रो. अरुण नंदा ने वर्तमान दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार की महत्ता से अवगत करवाया।

Hindi News

वर्तमान डिजिटल युग में समाज में आईपीआर बारे जागरूकता लानी आवश्यक है: कुलपति प्रो. सुदेश

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एमडीयू में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित।

Girish Saini Apr 26, 2024 07:49 0

Facebook Twitter

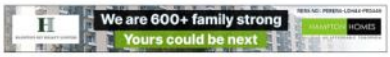

रोहतक, गिरीश सैनी। नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) की अहम भूमिका है। बौद्धिक संपदा अधिकार से कानूनी ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं व्यावसायिक मुद्दे भी जुड़े हैं। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने शुक्रवार को बतौर मुख्य अतिथि, विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एमडीयू में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए।

अपने प्रभावशाली संबोधन में कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस डिजिटल युग में हम सभी को आईपीआर बारे जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने समाज को भी इस बारे जागरूक करने की जरूरत पर बल दिया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि कैरियर के दृष्टिकोण से इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने इस राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन एमडीयू के सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से किया गया। एफडीसी कांफ्रेंस हॉल में आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार में वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई टैग, पेटेंट के बारे में जानकारी दी।

सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज के निदेशक एवं इस राष्ट्रीय सेमिनार के कंवीनर प्रो. हरीश दुरेजा ने सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों बारे जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य आईपीआर जागरूकता बढ़ाना है।

डीन, आर एंड डी प्रो. अरुण नंदा ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि बौद्धिक संपदा मानव मस्तिष्क के आविष्कार और कलात्मक कार्य से जुड़ी है। उन्होंने वर्तमान दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार की महत्ता से अवगत करवाया। आयोजन सचिव डा. राकेश कुमार मारवाह ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया। उन्होंने इस वर्ष के थीम- आईपी एंड एसडीजी: बिल्डिंग अवर कॉमन फ्यूचर विद इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी पर प्रकाश डाला।

इस राष्ट्रीय सेमिनार में तीन तकनीकी सत्र तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। तकनीकी सत्रों में पेटेंट इनफार्मेशन सेंटर, एचएससीएसआईटी, डीएसटी, हरियाणा के वैज्ञानिक डा. राहुल तनेजा, दिल्ली विश्वविद्यालय से डा. अश्विनी सिवाल तथा मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पेटेंट कार्यालय, दिल्ली के एग्जामिनर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइंस डा. संदीप यादव ने बतौर वक्ता विशेष व्याख्यान देते हुए बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न पहलुओं बारे विस्तार से जानकारी दी।

फार्मेसी विभाग की प्राध्यापिका डा. सलोनी कक्कड़ ने मंच संचालन किया। सेमिनार के को-कंवीनर डा. राजीव कुमार कपूर ने आभार प्रदर्शन किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

Tags: digital era awareness about IPR VC Prof. Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
गढ़ी-सांपला-किलोई हलके के एक दर्जन से ज्यादा गांवों में किया चुनाव प्रचार

NEXT ARTICLE
भावना सिंह फेयरवेल, दीप्ति सिंह ब्यूटीफुल व भाविका सिंह ऑलराउंडर चुनी गईं

WHAT'S YOUR REACTION?

LIKE	LOVE	FUNNY	ANGRY	SAD	WOW
0	0	0	0	0	0

RELATED POSTS

कांग्रेस प्रत्याशी दीपेन्द्र हुड्डा ने झज्जर हलके के विभिन्न...

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भाजपा उम्मीदवार नवीन जिंदल के...

एमडीयू में एन्जाइम प्यूरीफिकेशन विषय पर कार्यशाला संपन्न

COMMENTS

Name
Email
Comment

I'm not a robot

Post Comment

POPULAR POSTS
Weekly Posts

MD Markfed visits Mandis in Ludhiana, Moga and Ferozepur...

ਦੋਆਬਾ ਕਾਲਜ ਵਿਖੇ ਕਲਿਨੀਕਲ ਪ੍ਰੈਕਟਿਸ 'ਤੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਆਯੋਜਿਤ

ਤੀਜੇ ਪੰਜ ਰੋਜ਼ਾ ਨਾਟਕ ਮੇਲੇ ਦੇ ਦੂਜੇ ਦਿਨ ਹਿੰਦੀ ਨਾਟਕ ਰੋਕ ਆਲ ਦੀ...

Hyderabad Police register another case against BJP MLA...

Under-construction bridge collapses in Telangana

FOLLOW US
Facebook Twitter
Pinterest Linkedin
Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

Literature
Ex-diplomat discovers Amritsar's dark side while translating...

UP's glass skywalk to open after Lok Sabha polls in Chitrakoot

Political stability, robust social security framework brought...

IANS Interview: INDIA bloc's victory in Tripura certain...

Eat plain yoghurt to lower diabetes risk, combat insulin...

IANS Interview: BJP creating confusion & fear in its bid...

CONTACT US

For advertisement, news, article, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Education

IPR play an important role in promoting innovation and creativity: VC Prof. Sudesh

Intellectual property rights (IPR) play an important role in promoting innovation and creativity. Intellectual property rights involve not only legal but also social and commercial issues. Vice Chancellor of BPSMV, Prof. Sudesh said this today as the chief guest, while inaugurating the national seminar organized at MDU, Rohtak on the occasion of World Intellectual Property Day.

Girish Saini

Facebook Twitter

Rohtak, April 26, 2024: Intellectual property rights (IPR) play an important role in promoting innovation and creativity. Intellectual property rights involve not only legal but also social and commercial issues. Vice Chancellor of BPSMV, Prof. Sudesh said this today as the chief guest, while inaugurating the national seminar organized at MDU, Rohtak on the occasion of World Intellectual Property Day.

VC Prof. Sudesh said that in this digital era we all should be aware of IPR. She also emphasized the need for social awareness about this. Prof. Sudesh said that there are immense career possibilities in this field. She congratulated the organizers for organizing this national seminar.

This national seminar, sponsored by the Haryana State Council for Science Innovation and Technology, was organized by the Center for IPR Studies of MDU in collaboration with the Department of Pharmaceutical Sciences. In this national seminar organized at FDC Conference Hall, the speakers discussed intellectual property in detail and told the participants about copyright, trademark, GI tag, and patent.

Director of Center for IPR Studies and convener of this national seminar, Prof. Harish Dureja gave information about the educational and research activities of the Center for IPR Studies. He said that the main objective of this national seminar is to increase IPR awareness. Presiding over the national seminar, Dean, R&D Prof. Arun Nanda said that intellectual property is related to the inventions and artistic work of the human mind. He informed about the importance of intellectual property rights in the present times. Organizing Secretary Dr. Rakesh Kumar Marwah gave the welcome address and highlighted this year's theme - IP & SDGs: Building Our Common Future with Innovation and Creativity.

Three technical sessions and poster presentations were organized in this national seminar. Dr. Rahul Taneja, Scientist from Patent Information Centre, HSCSIT, DST, Haryana, Dr. Ashwini Siwal from Delhi University and Dr. Sandeep Yadav, Examiner of Patents and Designs, Patent Office, Ministry of Commerce and Industry, participated as speakers in the technical sessions and delivered special lectures. Speakers gave detailed information about various aspects of Intellectual Property Rights. Professor of Pharmacy Department, Dr. Saloni Kakkar conducted the stage. Seminar co-convenor Dr. Rajeev Kumar Kapoor expressed thanks. HODs, Faculty members, research scholars and students were present on the occasion.

Tags: IPR play an important role | innovation and creativity | VC Prof. Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
Upkar Singh Ahuja elected unopposed for post of President of CICU

NEXT ARTICLE
Ideathon 2K24 held at CGC Jhanjeri, 160 teams from various colleges participated

WHAT'S YOUR REACTION?

LIKE	LOVE	FUNNY	ANGRY	SAD	WOW
0	0	0	0	0	0

RELATED POSTS

CT Group Unites Community for 'WOW' - Weekend of Wellness

No Bag Day Celebration in DRV DAV Centenary Public School

Capacity Building Programme of EEDP for kindergarten teachers

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

MONDAY 29TH OF APRIL 2024 10:14:36 AM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
MD Markfed visits Mandis in Ludhiana, Moga and Ferozepur...
Hyderabad Police register another case against BJP MLA...
Under-construction bridge collapses in Telangana

FOLLOW US
Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

Ex-diplomat discovers Amritsar's dark side while translating...
UP's glass skywalk to open after Lok Sabha polls in Chitrakoot
Political stability, robust social security framework brought...
IANS interview: INDIA bloc's victory in Tripura certain...
Eat plain yoghurt to lower diabetes risk, combat insulin...
IANS interview: BJP creating confusion & fear in its bid...

CONTACT US
For advertisement, news, article, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation
Terms & Conditions Privacy Policy

'नवाचार को बढ़ावा देने में आइपीआर की अहम भूमिका'

कुलपति प्रो. सुदेश सेमिनार में विचार व्यक्त करते हुए● सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आइपीआर) की अहम भूमिका है। बौद्धिक संपदा अधिकार से कानूनी ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं व्यावसायिक मुद्दे भी जुड़े हैं। उन्होंने यह बात बतौर मुख्य अतिथि विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एमडीयू रोहतक में आयोजित सेमिनार के शुभारंभ पर कही। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि डिजिटल युग में हम सभी को आइपीआर के बारे में जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने समाज को भी इस बारे जागरूक करने की जरूरत पर बल दिया। सेमिनार में कई वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए।

संपदा दिवस पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

रोहतक, 26 अप्रैल (हप्र)

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) के सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एफडीसी कॉन्फ्रेंस हॉल में आज आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में वक्ताओं ने बौद्धिक संपदा पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई टैग, पेटेंट के बारे में जानकारी दी।

हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने बतौर मुख्यातिथि किया। कुलपति ने कहा कि उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार से लीगल ही नहीं, वरन सोशल और कमर्शियल मुद्दे भी जुड़े हैं।

बौद्धिक संपदा अधिकारों से जुड़े हैं सामाजिक-व्यावसायिक मुद्दे भी : प्रो. सुदेश

गोहाना मुद्रिका, 26 अप्रैल : नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) की अहम भूमिका है। बौद्धिक संपदा अधिकार से कानूनी ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं व्यावसायिक मुद्दे भी जुड़े हैं। यह उद्गार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने शुक्रवार बतौर मुख्य अतिथि, विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एम.डी.यू. में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए।

वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि इस डिजिटल युग में हम सभी को आई.पी.आर. बारे जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कैरियर के दृष्टिकोण से इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन एम.डी.यू. के सेंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से किया गया। सेमिनार में कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई टैग, पेटेंट के बारे में जानकारी दी गई।

सेंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दुरेजा ने सेंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों बारे जानकारी दी। डीन प्रो. अरुण नंदा ने वर्तमान दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार की महत्ता से अवगत करवाया। डॉ. राकेश मारवाह ने इस वर्ष के थीम- आई.पी. एंड एस.डी.जी.: बिल्डिंग ऑवर कॉमन फ्यूचर विद इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी पर प्रकाश डाला।

तकनीकी सत्रों में पेटेंट इनफार्मेशन सेंटर, एच.एस.सी.एस.आई.टी., डी.एस.टी., हरियाणा के वैज्ञानिक डा. राहुल तनेजा, दिल्ली विश्वविद्यालय से डा. अश्विनी सिवाल तथा मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पेटेंट कार्यालय, दिल्ली के एग्जामिनर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइंस डा. संदीप यादव ने बतौर वक्ता शिरकत की।

पंजाब केसरी
SAT,27 APRIL 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 2

बौद्धिक संपदा अधिकारों से भी जुड़े हैं सामाजिक एवं व्यावसायिक मुद्दे: प्रो. सुदेश

गोहाना, 26 अप्रैल (अरोड़ा): नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) की अहम भूमिका है। बौद्धिक संपदा अधिकार से कानूनी ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं व्यावसायिक मुद्दे भी जुड़े हैं।

यह उद्गार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने शुक्रवार बतौर मुख्य अतिथि, विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एम.डी.यू. में आयोजित राष्ट्रीय सैमिनार का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए।

वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि इस डिजिटल युग में हम सभी को आई.पी.आर. बारे जानकारी होनी चाहिए। करियर के दृष्टिकोण से इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। हरियाणा स्टेट काऊंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टैक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सैमिनार का आयोजन एम.डी.यू. के सैंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से किया गया। सैमिनार में

दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई टैग, पेटैंट के बारे में जानकारी दी गई।

सैंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दुरेजा ने सैंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों बारे जानकारी दी। डीन प्रो. अरुण नंदा ने वर्तमान दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार की महत्ता से अवगत करवाया। डॉ. राकेश मारवाह ने इस वर्ष के थीम- आई.पी. एंड एस.डी.जी.: बिल्डिंग ऑवर कॉमन फ्यूचर विद इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी पर प्रकाश डाला।

तकनीकी सत्रों में पेटैंट इन्फॉर्मेशन सैंटर, एच.एस.सी.एस.आई.टी., डी.एस.टी., हरियाणा के वैज्ञानिक डा. राहुल तनेजा, दिल्ली विश्वविद्यालय से डा. अश्विनी सिवाल तथा मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पेटैंट कार्यालय, दिल्ली के एग्जामिनर ऑफ पेटैंट्स एंड डिजाइंस डा. संदीप यादव ने बतौर वक्ता शिरकत की।

'नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों की महत्वपूर्ण भूमिका'

रोहतक | एमडीयू के सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज की ओर से फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एफडीसी कांफ्रेंस हॉल में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ने प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ मुख्य अतिथि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने किया। उन्होंने कहा कि नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस दौरान सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दूरेजा,डीन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. अरुण नंदा,सचिव डॉ. राकेश कुमार,फार्मेसी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सलोनी कक्कड़,डॉ. राजीव कुमार कपूर,पेटेंट इनफार्मेशन सेंटर, एचएससीएसआईटी, डीएसटी, हरियाणा के वैज्ञानिक डॉ. राहुल तनेजा, दिल्ली विवि से डॉ. अश्विनी सिवाल, मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पेटेंट कार्यालय, दिल्ली के एक्जामिनर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइंसडॉ. संदीप यादव ने अपने विचार रखे।